

परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, ऐसा रास्ता निकालेगी जिस से सस्ता पैदा करने वाले किसानों को गन्ना उगायाना न पड़े और वह ब्रैकार न जाये।

जहाँ तक विदेशों से चीनी बेचने का प्रश्न है, हमारी यह कोशिश रहेगी कि उचित दाम मिलने पर जितनी चीनी हम आसानी से विदेशों को भेज सकते हैं, वह भेजें। किसी विशेष मध्य, या किन्हीं व्यापारियों के दबाव में सरकार सरकार इस नीति से किसी भी तरह में अर्बाली करने वाली नहीं है।

श्री नरसिंह नारायण बाई: दिग्म्बर, 1974 में यू०के० और यू०एम० के साथ हमारा कान्ट्रैक्ट खत्म होने जा रहा है। क्या सरकार उस का कान्ट्रीन्स करेगी, या इन्टरनेशनल की मार्केट में जायेगी, जहाँ ऊँचे दाम मिल रहे हैं।

श्री बी० पी० बौर्य: अगर माननीय २५ बान का यही रखते हैं, तो अच्छा है। ये सब बातें हमारे ध्यान में हैं। मैं उन का विषय दिनामा चाहता हूँ कि हम देश को किसी भी तरह से घाटे में नहीं रहने देंगे। विदेशों में चीनी का दाम बढ़ रहे हैं, यह बात भी हमारे ध्यान में है। हम इस बात का भी ध्यान रखेंगे कि हमारे देश में उपभोक्ताओं को किसी तरह की परेशानी न हो।

जहाँ तक भार्गव कमिशन की रिपोर्ट का सम्बन्ध है, उस रिपोर्ट का २७ फरवरी का पेश किया गया था। उसका ध्यानपूर्वक पठन-पाठन किया जा रहा है। माननीय सदस्य नियमों का मूँ में उदाहरण ममजने है। नियम के अनुसार 6 महीने के अन्दर अन्दर वह रिपोर्ट इस मदन के सामने आ जानी चाहिये। हमारे मन्त्रालय का यह प्रयत्न रहेगा कि वह रिपोर्ट भी प्रारम्भिकी इस मर्चेंट मदन के सामने आ जाये। सरकार का ऐसा कोई इरादा नहीं है कि इस रिपोर्ट को दबा कर रखा जाये।

जहाँ तक मिलावट का प्रश्न है, उस के बारे में एग्जक्यूटिव कांमिटीज एक्ट और हमारे कानूनों के अन्तर्गत कार्यवाही की जाती है। प्रदेश सरकारें इस कलक के प्रति जागरूक हैं। सरकार भी इस बात का ध्यान रखेगी कि किसी भी रूप में मिलावट न होने पाये, जिस से उपभोक्ता और मजदूर को नुकसान न होने पाये।

12.45 hrs.

### MOTION FOR ADJOURNMENT Filing in Patna

MR. SPEAKER: Next item, papers to be laid on the Table

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour) Sir, the situation in Bihar is going from bad to worse. Thirty persons have been shot down and more than 200 injured. (Interruptions). Even the train services have been suspended. CRP and army have been deployed to maintain law and order. (Interruptions).

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: (स्वानियंत्र) अध्यक्ष महोदय, वहाँ जो परिस्थिति पैदा हुई है, उस के लिए केन्द्रीय सरकार जिम्मेदार है। .. (व्यवधान)।

अध्यक्ष महोदय: आप सब लोग बोल रहे हैं। मेरी मजस में कुछ भी नहीं आ रहा है। आप बैठ जाइये। (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: अध्यक्ष महोदय, हमारे तो काम शोक प्रस्ताव है। कांग्रेस के मेम्बरो का क्या तकनीक हा रही है? आप उस को मान्य नज़िज़। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: आप लोग बैठ जायें।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: अध्यक्ष महोदय, आप एक एक को बुलाइए।

अध्यक्ष महोदय: बुलाने की बात नहीं है। मैं आप से बात करना चाहता हूँ। आप बैठें। शान्त मे मेरी बात सुने। आप लोगों ने ऐडजर्नमेंट भोजन दिया है। कम आप ने कहा था कि मिनिस्टर स्टेटमेंट दे

श्री अटल बिहारी वाजपेयी क्या कांग्रेस वालों ने ऐडजर्नमेंट भोजन दिया है? ये काहें को बोल रहे हैं?

(इंटरप्शन)

अध्यक्ष महोदय: आप लोगों को क्या तकनीक है? आप बैठिए। मुझे बात तो करने दीजिए

[अध्यक्ष महोदय]

उन्होंने एडजर्नमेंट मोशन दिया है। उन से बात तो करने कीजिए।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मे वहाँ बोली चलाते हैं और वहाँ हम को बोलने नहीं देते हैं।

अध्यक्ष महोदय : यह आपसे मे बाहर फैसला कर लिया करें कि कौन चलाता है कौन चलाता है ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सरकार इन की है, बोली हम चलाएंगे ?

अध्यक्ष महोदय : मैं आपसे बात करना चाहता हूँ।

श्री मधु लिमये (बाका) : ये हत्सला कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : आर्टर, आर्टर प्लीज।

आप ने कल दिया था तो होम मिनिस्टर तो बिहार गए हुए हैं ..

श्री ज्योतिर्मय बहु कल स्टेटमेंट देना चाहिए था।

अध्यक्ष महोदय : जब तक सिचुएशन एमर्जेंट न कर ले तब तक कैसे देंगे ?

श्री मधु लिमये : प्वाइंट आफ आर्डर।

MR. SPEAKER : Point of order on what ?

आप का मानन है, उस पर मैं बात कर रहा हूँ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर आप स्वीकार कर रहे हैं तो स्वीकार कर लीजिए। अगर स्वीकार नहीं कर रहे हैं तो फैसला करने के पहले हमें सुन लीजिए और उस के प्रकाश में निर्णय कीजिए।

अध्यक्ष महोदय : मुझे इजाजत देने में कोई एतराज नहीं है क्योंकि बजट का तो आज जवाब हो ही जाना है। आप ने फैसला किया था कि जब बजट डिस्कशन हो तो उस के दरमियान में कोई एडजर्नमेंट मोशन न आए। तो वह आज खत्म हो रहा है। वह जो एडजर्नमेंट मोशन मेरे पास

आया है वह इन लोगों का है—श्री अध्यक्ष बिहारी वाजपेयी, श्री जी०बी० यादव, श्री राजबिहारी वास्ती, श्री एच० एम० मुन्शी, श्री सी० के० चन्द्रपण, श्री सगर मुहा, श्री एल० एन० बैनर्जी, श्री मधु लिमये.... वह मेरे डेढ़ी आर्टर में पड़ा है कि जिम आर्टर मे वह उन्होंने दिया है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी का और श्री जी० पी० यादव का, सब से पहले आया है, हमलिए मेने यह पढ़ा ..

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur) : Will the Home Minister be here to reply ?

अध्यक्ष महोदय : मैं यही तो बान कर रहा हूँ। अगर मैं कहता हूँ कि होम मिनिस्टर नहीं हैं तो आप कहते हैं कि अभी करो और जब मैं इजाजत देने की बान करता हूँ तो आप दूसरी बात कहने हैं। आप आखिर एक बात पर खड़े रहिए।

How can I keep this pending ? Either I accept it or I reject it.

महोदय सभे इस को डिम्पाउट आफ वर मेने कीजिए।

श्री मधु लिमये : मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है।

अध्यक्ष महोदय : प्वाइंट आफ आर्डर किम बान पर है ?

श्री मधु लिमये इसी पर है। ... (इंटरप्शन) .

अध्यक्ष महोदय : जब इनत आए हैं तो जिम का पहले आया है उस को मैं देता हूँ। सब प्राइ-डेंटिकल मोशन हैं।

I shall now ask Mr. Vajpayee to move for leave of the House.

श्री एल० एम० बैनर्जी : आप हमें एक-एक मिनट सुन लीजिए।

MR. SPEAKER : There is no question of hearing

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने कामरोकी प्रस्ताव के लिए सबन की अनुमति चाहता हूँ। मेरा प्रस्ताव है कि सबन की

कार्यवाही रोक दी जाय और बिहार की गम्भीर परिस्थिति पर चर्चा की जाय

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI K. RAGHU RAMAIAH): I oppose it on behalf of the Government.

SHRI S. M. BANERJEE: The Home Minister is not here, Sir.

MR. SPEAKER: He has asked for leave of the House to move his motion. Those in favour of leave being granted may rise in their places.

I am sorry, the requisite number is not there, the number is less than 50. Leave is not granted.

SHRI PILOO MODY (Godhra): I demand a recount.

MR. SPEAKER: Those in favour of leave being granted may please rise in their places again... Again the number is less than 50. I am sorry Leave is not granted.

श्री सदन बिहारी बाबूदेवी: अध्यक्ष महोदय, मेरी एक प्रश्न है—हमारे सी०पी०आई० मेम्बरो को उबर जगह दीजिए, ये सरकार के साथ मिले हुए हैं ....

13 hrs.

MR. SPEAKER: No. CPI people are also in it.

श्री मधु लिमये: अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवसाय का प्रश्न है . (Interruption)

MR. SPEAKER: Madhu Limayeji, on what business you are raising a point of order? There is no business before the House. I am passing on to the next item. The previous one has already been disposed of.

श्री मधु लिमये: मैं इसी के बारे में कह रहा हूँ।

अध्यक्ष महोदय: किस के बारे में ?

श्री मधु लिमये: मैं बिजनेस के बारे में कह रहा हूँ । ... (व्यवधान) ....

SHRI PILOO MODY: Next time we will prepare our speeches and get them approved by you 48 hours in advance.

श्री सदन बिहारी बाबूदेवी: यह ठीक है कि हमारा एग्जामेंटेशन मोशन गिर गया है, लेकिन आप यह यह स्वीकार करेगे कि बिहार की परिस्थिति के बारे में सदन में चर्चा होनी चाहिए .... सन 193 में थोड़े समय की चर्चा हो जाय ।

SHRI PILOO MODY: Why is this happening in Bihar? Only because the Parliament and the elected representatives of the people are being throttled in this manner. That is why it is happening in Bihar and it has happened all over the country. Do you think that you can stop a revolution in Bihar by not having a debate in Parliament, just because we have here a few gramophone record with broken and worn-out pins? Purchased governments will not be permitted to survive in this country.

(Interruptions.)

MR. SPEAKER: May I request all of you to please resume your seats?

Order, please. Please resume your seats

(Interruptions.)

SHRI PILOO MODY: On a point of order, Sir. I want you to be aware of the language that was used just now in the House ..

MR. SPEAKER: I do not think anybody could hear anything and nothing is there on the record.

SHRI PILOO MODY: I name Shri Vasant Sathe ..

SHRI VASANT SATHE (Akola): I name Shri Piloo Mody.

(Interruptions.)

MR. SPEAKER: In all this noise nothing could be heard by the reporters and nothing has been recorded.

SHRI PILOO MODY: It is not merely a question of recording...

(Interruptions.)

SHRI PILOO MODY: On a point of order.

MR. SPEAKER: What is the point of order?

SHRI PILOO MODY: It is not merely a question of recording. After all, Mr. Saithe occasionally sits in your Chair and thereafter he gives the same ruling which you are supposed to give and when a Member like that uses language which I have heard over here, I think it is too shocking. Do you think that by not having a debate over here you are going to quell the anger of the people in Bihar?

MR. SPEAKER: Don't ask like that. About this Adjournment Motion, I put it to the House and leave fell through. What else can we do about it?

श्री मधु लिमये अध्यक्ष महोदय, मेरा वाइन्ट आफ आर्डर है।

SHRI R. S. PANDEY (Rajnandgaon): What is the business before the House? I would like to raise a point of order before you call Mr. Limaye. I would like to know what the business before the House is.

श्री मधु लिमये: मैं पत्र पढ़ रहा हूँ, मैं 15 मिनट से बड़ा हूँ। मैं बसकाने वाले कोन होते हैं। मैं आर्डर आफ बिज़नेस पर बोल रहा हूँ—ये गोकने वाले कोन होते हैं....

(Interruptions)

MR. SPEAKER: I am not allowing anybody. All of you may please sit down.

श्री मधु लिमये: अध्यक्ष महोदय, मेरे बसकाने का प्रश्न सीधा सादा है। आप ने सभी लिमये के अनुसार स्वयं प्रस्ताव पेश करने के लिये अनुमति मांगने की इजाजत दी लेकिन 50 लोग खड़े नहीं हो सके। अब मेरी धारणा से प्रस्ताव है कि इस कार्यवाही को स्थगित कर के मियब 1973 के तहत पटना की गंभीर स्थिति पर बहस करने का मौका दीजिए। मैं स्वयं प्रस्ताव रख रहा हूँ.... (बसकाना) . बहा 100 फायर किये गये, 400 टीयर गैस गैलन छोड़े गये हैं—इस लिये इस पर तत्काल बहस होनी चाहिये। .. (बसकाना)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: आप ने कल गृह मंत्री जी को स्टेटमेंट देने के लिये कहा था लेकिन अभी तक उन्होंने स्टेटमेंट नहीं दिया है।

MR. SPEAKER: We cannot do it. The Business is decided by the Business Advisory Committee. The Home Minister will come later on. He has gone to ascertain the facts.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: The Home Minister may not be here; Government is here...

श्री मधु लिमये क्या आप इस पर डिस्कशन एलाउ नहीं करेंगे?

MR. SPEAKER: I will ask the Minister to make a statement on it. The Minister will make a statement later on.

I request all Hon. Members to please sit down.

SHRI H. N. MUKERJEE (Calcutta—North-East): Could I have your indulgence to make a submission. On one occasion, on a similar issue, in view of the recalcitrance of Government to a discussion, on a similar issue, in view of the fundamental national importance and in view of us on the opposition being unable to muster sufficient number of people to stand in their seats, I made an appeal to you, Sir.

I appealed to you on the last occasion, to evolve opportunities for discussion of this kind of matter without delay. Let the Government realise one thing, that in this country they are going to see this kind of think. (*Interruptions*)

श्री मधु सिन्घे • एडजर्मेंट नहीं हुआ, ठीक है मेकन बहम तो हो सकती है ।

MR. SPEAKER: May I request you all to please sit down?

SHRI A. K. GOPALAN (Palghat): Sir, I request that at least a discussion must be allowed on this because it is a very serious matter. According to newspaper reports, for the first time, in the annals of the history of Legislature, three shots had been fired in the lobby. Never has this occurred before in the history of Parliamentary democracy.

So, I want to know and the people also would like to know what has happened there. So, a discussion is necessary. It is said that anti-social elements have done this. (*Interruptions*).

MR. SPEAKER: Shri Gopalani is on his legs. Why do you not allow me to listen to him?

SHRI A. K. GOPALAN: It is said that in Parliamentary democracy in this country when you have allowed one Member to speak, others do not allow him.

MR. SPEAKER: It is very unfortunate that you and I belong to the old order.

SHRI A. K. GOPALAN: The procedure is that if the Speaker allows one hon. Member, the others should listen to him. If others will not allow me to go on, then there is no use coming here.

MR. SPEAKER: I have not allowed anybody excepting you

SHRI A. K. GOPALAN: You have allowed me. And with your permission, I am making my submission. I say that this is a very serious matter and it is not between the members of the Opposition

Party and the Ruling Party. There are anti-social elements in every State in India; they are growing. What is the reason or basis for it? Is there any basis? Please examine the policies of the Government. It is said that prices have gone up. Everywhere the prices have gone up; there are other issues also. So, please allow a discussion on this. The discussion on this is very essential because things are developing in such a way that we do not know what will happen in other States in the country. Please allow a discussion.

MR. SPEAKER: May I tell you that there is no intention in any way that any discussion should be barred? When the adjournment motion was brought, I was thinking that there was enough strength for you at least today. It so happens that sometimes many members are absent.

PROF. MADHU DANDAVATE (Rajapur): Then you modify your rules.

MR. SPEAKER: You will all come everyday like that. But, what about quorum in the House if the House is short of the requisite number?

SHRI H. N. MUKERJEE: Does that mean that the Speaker, because the Opposition is numerically weak, would not try to help the discussion on a matter of national importance? (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Prof. Mukerjee, you had your submission. I allowed what was in my power. If it is not in my power, I cannot allow that.

श्री मधु सिन्घे 194 वा डिस्कशन आपके ही हाथ में है ।

MR. SPEAKER: There is a procedure set for that.

SHRI H. N. MUKERJEE: They have to say something. Why are they playing a superior role and keeping quiet and saying nothing?

**SHRI K. RAGHU RAMAIAH:** It is unfair to accuse Government in this case; because the Opposition has chosen a particular method and they have not found sufficient strength, now to say that Government have been against a discussion is very unfair.

I may submit that the Home Minister has gone this morning to Patna, and I believe he is expected tomorrow. As soon as he comes, we shall certainly place the matter before him and place the matter before you so that we can decide when and how and whether a fruitful discussion can take place and if so when.

**SHRI JYOTIRMOY BOSU:** On a point of order. Yesterday, you made it quite clear that Government should furnish this House with a statement. But today we are told that the Home Minister has left for Patna... Are you aware of this? . .

**MR. SPEAKER:** Immediately after the matter was raised here, I said that At that time, how could I anticipate this? . .

**SHRI S. M. BANERJEE:** The Deputy Minister is here and let him make a statement and let us have a discussion on it.

**SHRI K. RAGHU RAMAIAH:** I was going to add that in the light of your direction yesterday, in the light of whatever material is available, my colleague Mr Mohsin will make a statement if you would permit, on the basis of whatever facts are available to him.

**SHRI S. M. BANERJEE:** Let him make the statement and let us have a discussion on it.

श्री रामास्वामी स्वामी (पटना) अध्यक्ष जी, आप मेरी बात को मुन ही नहीं रहे हैं।

श्री संकर बसाल सिंह (बतना) मैं भी कुछ निवेदन करना चाहता हूँ। बहुत जल्दी पूर्वक मैं बीठा हूँ। मैं चाहता हूँ कि मुझे भी भी आप एक मिनट का समय दें।

श्री रामास्वामी स्वामी : मैं भूँकि उसी कांस्टी-  
ट्यूटरी से जाता हूँ इसलिए इसके सम्बन्ध में  
मैं कुछ बताना चाहता हूँ।

**MR. SPEAKER:** No, I am not going to allow any speeches. There can be no discussion and no speech now.

श्री संकर बसाल सिंह : मैं यह कहना चाहता  
हूँ कि बिहार में जो भी घटनाएँ हुई हैं उनके  
लिए हम लोगों को सबसे अधिक दुःख है।  
यह मत समझे कि इन्हीं को तकलीफ है। मैं यह  
कहना चाहता हूँ कि वहाँ पर जिस तरह से खिल-  
वाड़ हुआ है, प्रेम को जलाया गया है, भवनों को  
घायल किया गया है उनके लिए कौन जवाबदेह है?  
वही लोग जवाबदेह हैं और वहाँ पर आकर यह  
सरकार की घालीबना करने हैं। उधर की बातों  
के साथ साथ इधर की बातों को भी आप सुनते  
ताकि यह न लगे कि इन्हीं को तकलीफ  
है। हमको इनसे अधिक तकलीफ है।  
यह ज़िम मरह की अराजकता वहाँ पर फैला  
रहे है उनकी निन्दा होनी चाहिये। (अवधान)

**MR. SPEAKER.** There can be no speeches. There is not going to be any debate now.

**SHRI PILOO MODY.** They can do whatever they like, but purchased governments will not survive in this country...

**MR. SPEAKER.** It is only himself that will survive.

Do you want Shri Mohsin to make a statement?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी, हम  
सोच मंत्री महोदय की सुनने के लिये तैयार हैं,  
लेकिन उस के बाद आप कल चर्चा के लिये अभी  
समय तय कर दीजिए। यह सरकार की कृपा  
पर नहीं रहना चाहिये।

**MR. SPEAKER:** I will put it before the Business Advisory Committee.

They say that they will listen to the Minister if you allow them an opportunity to have a discussion.

SHRI K. RAGHU RAMAIAH: Let the Home Minister come back. Then we will decide. What is the hurry?

MR. SPEAKER: After the Home Minister comes back, he should make a statement. Then we will decide.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : यह नहीं हो सकता है । आप निर्णय कर दीजिए कि कल इतने बजे चर्चा होगी इस विषय पर ।

अध्यक्ष महोदय : आप के उनमें मेंबर तो है नहीं जितने कि होने चाहिये एडजर्नमेंट के लिये ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी, मेंबर नहीं हैं तो क्या उस पर चर्चा की जरूरत नहीं है?

अध्यक्ष महोदय : कम से कम उनमें सदस्य तो होने चाहिये वहाँ जितने की जरूरत है एडजर्नमेंट मोशन के लिए । और बात तो छेड़िये ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : नियम 193 के लिये तो मेंबर नहीं चाहिये ।

SHRI H. M. PATEL (Dhandhuka): Will you permit me to seek a clarification?

MR. SPEAKER: I think the Home Minister should make a comprehensive statement when he comes tomorrow. Then we will see.

Papers to be laid on the Table

SHRI ATAL BIHARI VAJPAEYEE. Kindly decide that after the statement by the Home Minister, there will be a discussion.

MR. SPEAKER: I will look into it.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी, क्या मतलब है ।

अध्यक्ष महोदय : यह कैसी बात करने है मैंने कहा कि स्टेटमेंट आगे दीजिए ।

I have asked the Minister already to find time for it. Let the Home Minister make his statement. Later on we will consider it.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : आप कैसे कर रहे हैं, यह कोई तरीका नहीं है । क्या 193 नहीं था सकता है ?

अध्यक्ष महोदय : जो मेरे बय की बात नहीं है उस में मैं क्या कर सकता हूँ ।

When he comes and makes a statement tomorrow, we will look into it.

SHRI DINEN BHATTACHARYA (Serampore): What is there to look into?

MR. SPEAKER: You should follow the practical meaning of the language.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Is the Deputy Minister making a statement?

MR. SPEAKER: Instead of Shri Mohsin making a statement today, and again tomorrow, the Home Minister making a statement, we will have one statement tomorrow.

SHRI JYOTIRMOY BOSU. No, Sir.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्या आप यह तब नहीं कर सकते हैं कि कल होम मिनिस्टर के स्टेटमेंट के बाद बिहार की स्थिति पर चर्चा होगी ?

अध्यक्ष महोदय, चर्चा कैसे तो आज होनी चाहिए थी । लेकिन आज नहीं हो सकती तो कल जरूर होनी चाहिये ।

MR. SPEAKER: We will have to ask him to find time. I have no powers to fix it up.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी, आप एजान कर दीजिए कि कल चर्चा होगी । इस में कौन सी कठिनाई है ?

अध्यक्ष महोदय : उन से बात करेंगे ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : बात कर के बात कल होगी ?

अध्यक्ष महोदय : तब तो बात करने के बाद ही करेंगे ।

श्री रामावतार शास्त्री : यह आनन्द मार्गी और आर० एम० एम० की कॉम्प्रेसी है (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए ।

13.25 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE  
DELIMITATION COMMISSION ORDER No. 10  
IN RESPECT OF GUJARAT

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI NITI RAI SINGH CHAUDHURY) : I beg to lay on the Table a copy of Notification No. S.O. 118(E) (Hindi and English versions) published in Gazette of India dated the 25th February, 1974, containing Order No. 10 of the Delimitation Commission in respect of the State of Gujarat, under sub-section (3) of section 10 of the Delimitation Act, 1972. [Placed in Library. See No. LT-6458/74]

REVIEW AND ANNUAL REPORT OF MADRAS FERTILIZERS LTD., MANALI, MADRAS FOR 1972-73

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI SHAHNAWAZ KHAN) : I beg to lay on the Table a copy each of the following papers (Hindi and English versions) under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956 :—

- (i) Review by the Government on the working of the Madras Fertilizers Limited, Manali, Madras for the year 1972-73.

- (ii) Annual Report of the Madras Fertilizers Limited, Manali, Madras for the year 1972-73 along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon. [Placed in Library. See No. LT-6459/74]

REVIEWS AND ANNUAL REPORTS OF WATER POWER DEVELOPMENT CONSULTANCY SERVICES (INDIA) LTD., NEW DELHI AND RURAL ELECTRIFICATION CORPORATION, NEW DELHI FOR 1972-73

THE MINISTER OF IRRIGATION AND POWER (SHRI K. C. PANT) : I beg to lay on the Table a copy each of the following papers (Hindi and English versions) under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956 :—

- (1) (i) Review by the Government on the working of the Water and Power Development Consultancy Services (India) Limited, New Delhi, for the year 1972-73.
- (ii) Annual Report of the Water and Power Development Consultancy Services (India) Limited, New Delhi, for the year 1972-73 along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon. [Placed in Library. See No. LT-6460/74]
- (2) (i) Review by the Government on the working of the Rural Electrification Corporation, New Delhi for the year 1972-73.
- (ii) Annual Report of the Rural Electrification Corporation, New Delhi, for the year 1972-73 along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon. [Placed in Library. See No. LT-6461/74]